स्वदेशी से होगा देश व समाज का विकास

बोले योगी आदित्यनाथ

- प्राकृतिक खेती पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन, उन्नत भारत अभियान के तहत हुआ आयोजन

जागरण संवाददाता, लखनऊ : उन्नत भारत अभियान के तहत प्राकृतिक खेती पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतिम दिन सांसद योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद में चल रही कार्यशाला के दौरान सांसद ने जैविक खेती को स्वदेशी का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन के लिए स्वदेशी अपनाना होगा तभी देश व समाज का विकास होगा।

उन्होंने कहा कि जैविक खेती से दूर होने का ही परिणाम है कि पिछले 15 वर्षों में ऐसी कई नई बीमारियां बढ़ी हैं जिनके बारे में हमें पता ही नहीं था। उन्होंने गोरक्षपीठ परिसर के अस्पताल की स्थिति का उदाहरण देते हुए जैविक खेती की वकालत की। उन्होंने कहा कि गौपालन करने से दोहरा लाभ होता है। एक ओर जहां उसके गोबर से जैविक खाद मिलती है जो रासायनिक खादों की कीमत से काफी कम होती है। दूसरी ओर गौशाला में कार्य करने वालों को कोई बीमारी नहीं होती।

उन्होंने कहा कि गोरक्षनाथ पीठ में बनी गौशाला में कई मानसिक रोगी न केवल ठीक हुए बल्कि उनमें से दो तो महंत हो गए। उन्होंने बलरामपुर के एक युवा किसान के एक एकड़ में जैविक खेती के चलते एक हजार क्विंटल गन्ना और 25 क्विंटल गेहूं के उत्पादन के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि शामिल हुई शाहजहांपुर की सांसद कृष्णराज ने आइआइटी के में प्राकृतिक खेती को लेकर चल रहे शोध पर संतोष जताया और उन्नत भारत अभियान की तारीफ भी की। इससे पहले गौशाला और प्राकृतिक खेती पर बाहर से आए विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए।

गौपालन, गौ संवर्धन, पंचगव्य उत्पाद,

कार्यशाला में सम्मानित किए गए लोगों के साथ सांसद योगी आदित्यनाथ व अन्य जागरण

बायोगैस ऊर्जा व स्वरोजगार जैसे कई मासलों पर विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए। परिषद के निदेशक डॉ.एडी पाठक ने कहाकि जैविक खेती से अधिक उत्पादन करने का शोध काफी कारगर रहा है। इसका प्रयोग करके किसान अधिक उत्पादन कर सकता है। उपनिदेशक डॉ.नरेंद्र सिंह राठौर ने किसानों को वैज्ञानिक की संज्ञा दी और उनके प्रयासों की सराहना भी की। परिषद के वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने कहाकि कार्यशाला में वैज्ञानिकों की ओर से बताई गई सावधानियों से किसानों को अवश्य फायदा होगा। कार्यशाला में सूर्यकांत जलान, गोपाल उपाध्याय, श्याम बिहारी गुप्ता, चंद्र प्रकाश, अखिलेश, बजेंद्र पाल, अजय प्रकाश सहित कई वैज्ञानिकों ने उन्नतशील किसानों ने विचार व्यक्त किए। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में कई प्रदेशों से आए 250 से अधिक वैज्ञानिकों व किसानों ने हिस्सा लिया।

प्राकृतिक खेती विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित लोग जागरण

आइएएस अधिकारी कर रहे जैविक खेती पर शोध

जागरण संवाददाता, लखनऊ: हरियाणा कैडर में 1999 बैच में आइएएस चुने गए अधिकारी चार साल नौकरी करने के बाद अब अवकाश लेकर जैविक खेती पर शोध कर रहे हैं। आइआइटी दिल्ली में जैविक खेती कर अधिक उत्पादन पर उनकी रिसर्च चल रही है। विपरीत परिस्थितियों में दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करने वाले किसान के हितों की अनदेखी कभी नहीं की जा सकती।

-कुमार सुप्रवीन

ऐ मेरे प्यासे वतन...

ऐ मेरे प्यासे वतन, तुझ पे जल कुर्बान स्लोगन के माध्यम से जल संरक्षण की मुहिम चलाई। झांसी में कुओं का संरक्षण हो या फिर बहुमंजिली इमारत में जल संरक्षण का मामला हो। बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने के तरीके और धरा को पानी करने की मुहिम जीवन का लक्ष्य बन गया है। एसआइटी में अपर पुलिस महानिदेशक के तौर पर काम करने के साथ ही पर्यावरण व जल संरक्षण पर कार्य कर रहा हूं।

-महेंद्र मोदी

- आइआइटी दिल्ली में शोध कर रहे आइएएस अधिकारी

देश में ही रहेंगे इंजीनियर

उन्नत भारत अभियान में आइआइटी दिल्ली के कोऑर्डिनेटर के रूप में जैविक खेती को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की मुहिम अब रंग लाने लगी है। गौसेवा से लेकर जैविक खेती के प्रति किसानों का बढ़ा रुझान अब उत्तम और स्वस्थ्य भारत की ओर बड़ा कदम है। विकास के दौर में अब देश की प्रतिभा स्वदेशी के लिए काम करेगी और आइआइटी जैसे संस्थाओं के इंजीनियर देश में ही काम करेंगे।

-श्याम बिहारी गुप्ता

चाय नहीं गन्ने का रस

भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद की ओर से कार्यशाला के दौरान चाय के बजाय गन्ने का रस पीने का इंतजाम किया गया था। वैज्ञानिक डॉ.एसआइ अंसार के निर्देशन में रामकुमार ने लोगों ने ताजा गन्ने का रस पिलाया। डॉ.अंसार ने बताया कि शनिवार को गुड़ की बिक्री के साथ ही फार्म पर गन्ने का रस सहित उससे बनने वाले सिरके की बिक्री समयानुसार की जाती है।

लखनऊ और नयी दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

लखनऊ, सोमवार, 14 दिसंबर, 2015
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वावलंबन होना आवश्यक है: आदित्यनाथ

जैविक खेती कर किसान प्राप्त कर सकते हैं भरपूर उपज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में आयोजित प्राकृतिक खेती एवं गौशाला पर दो दिवसीय कार्यशाला का रविवारको समापन हो गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद योगी आदित्यनाथ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वालंबन होना आवश्यक है तथा स्वालंबन के लिए स्वदेशी होना आवश्यक है। उन्होंने वर्तमान में खेती की दुर्दशा के लिए प्राचीन कृषि एवं गौ वंश को परंपरा को नजरअंदाज या नहीं समझने की प्रक्रिया को जिम्मेदार बताया।

उन्होंने कहा कि आज बहुतायत में लोग विभिन्न बीमारीयों से ग्रसित हो रहे हैं, चिकित्सालय कम पड़ रहा है। यह सब प्रदूषित अनाज तथा वातावरण के कारण है जो कि हमें अत्यधिक रसायनिकों के प्रयोग से मिला है। सभी बीमारियों का उन्मूलन प्राकृतिक खेती एवं गौ वंश को बढ़ाने की दिशा में सच्चा प्रयास कर के किया जा सकता है। आज यह भ्रम है कि जैविक खेती से कम उत्पादन होता है, वास्तव में ऐसा नहीं हैं। बलरामपुर के गांव में एक युवा किसान एक एकड़ खेत में गन्ने की जैविक खेती कर 1000 क्विंटल गन्ना तथा 25 कुन्तल गेहूं पैदा कर साबित कर दिया कि जैविक से भी भरपूर उपज प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम से ग्रसित है, इस दिशा में प्राकृतिक विधि से खेती कर दुष्परिणाम से बचा जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर आईआईटी तथा आईसीएआर संस्थानों से अपील किया कि आप मिलकर इस दिशा में काम करें जिससे हमारी प्राचीन पद्धति वाली खेती तथा गौ वंश का विकास देश में तेजी से हो। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सांसद कृष्णा राज ने कार्यक्रम को अति महत्वपूर्ण बताते हुए आगे गंभीर प्रयास करने का आह्वान किया।

समापन से पूर्व रविवार को सुबह गौ संवर्धन, दुग्ध विकास, पंचगव्य उत्पाद, बायोगैस उर्जा, स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश के विभिन्न प्रांतों से आए विद्वानों ने अपने विचार रखे तथा गहन चर्चा की गई। देश के कई क्षेत्रों में व्यक्तिगत या छोटे समूह द्वारा छिटपुट प्रयास इस दिशा में हो रहे हैं, वास्तव में इन प्रयासों को ज्यादा से ज्यादा गांवों तथा क्षेत्रफल में विस्तार करने की जरूरत है, जिससे प्राकृतिक खेती एवं गौ वंश की परंपरा फिर से भारत में फले-फूले। वहीं कार्यक्रम में बोलते हुए संस्थान के निदेशक डा. एडी पाठक ने बताया कि संस्थान अपने स्तर पर हर-संभव प्रयास कर गन्ना में जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास करेगा। वास्तव में इस दिशा में शोध कार्य किए गए हैं तथा साकारात्मक परिणाम भी आए हैं जिसका प्रचार-प्रसार किसानों के बीच किया जा रहा है। परिषद के उपमहानिदेशक डा. नरेन्द्र सिंह राठौड ने आने वाले समय में क्षेत्रीय स्तर पर इस तरह के कार्यशाला करने की योजना को बताया।

संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक तथा मीडिया प्रभारी डा. एके शाह ने बताया कि कार्यशाला के दौरान विभिन्न सत्रों में विचार विमर्श उपरान्त उभर कर आये निष्कर्ष पर कार्य योजना बनाकर कार्यक्रम संचालित करने की योजना परिषद तथा संस्थान बनायेगा।

लखनऊ। सोमवार। 14 दिसंबर 2015

अमर उजाला ८ राजधानी

हरित क्रांति से बीमारियां मिलीं, खाद बीज की मुश्किलें बढ़ीं : आदित्यनाथ

लखनऊ (ब्यूरो)। गोरखपुर के सांसद और गौरक्षपीठ के महंत आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय कृषि और ऋषि परंपरा की व्यापक दृष्टि है। हमने पश्चिमी देशों की नकल में इसे सीमित कर दिया। हरित क्रांति के नाम पर किसानों के साथ धोखा हुआ है। हरित क्रांति से बीमरियां मिली हैं, खाद-बीज के लिए किसान दूसरों पर निर्भर हो गए। किसानों की आत्महत्या की वजह भी यही है। वे रविवार को यहां भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में उन्नत भारत अभियान की दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और आईआईटी के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में महंत आदित्यनाथ ने कहा कि प्राकृतिक खेती का सीधा अर्थ है स्वदेशी। इसके बिना स्वावलंबन नहीं आ सकता, देश आत्मनिर्भर नहीं बन सकता। खेती को प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक खेती ही बचा सकती है। उन्होंने कहा कि खाद, कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से कृषि उपज जहरीली हो गई है। पिछले 25 वर्षों में बीमारियां बहुत बढ़ी हैं। लिवर कैंसर, किडनी, ब्लड शुगर के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। यह धारणा गलत है कि जैविक खेती से उत्पादन कम होता है। उन्होंने बलरामपुर का एक किसान का उदाहरण दिया जो जैविक खेती से तीन गुना पैदावार ले रहा है।

● उन्नत भारत अभियान की कार्यशाला संपन्न

उन्नत भारत अभियान की दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को गोरखपुर के सांसद महंत आदित्य नाथ ने संबोधित किया।

न विष पैदा करेंगे, न खाएंगे

आईसीएआर के उपमहानिदेशक डॉ. एनएस राठौड़ ने कहा कि कार्यशाला में यही आवाज उठी कि न विष पैदा करेंगे, न खाएंगे। आईआईएसआर के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने प्राकृतिक खेती और गौवंश संवर्धन को समय की जरूरत बताया।

गौवंश संवर्धन व प्राकृतिक खेती के लिए हुए सम्मानित

कार्यशाला में गौवंश संवर्धन और प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया। इससे पहले कई लोगों ने प्राकृतिक खेती और गौवंश से जुड़े काम के अनुभव बताए। उन्नत भारत अभियान के संरक्षक हृदयनाथ सिंह के अलावा शाहजहांपुर से सांसद कृष्णा राज ने प्राकृतिक खेती और गौवंश के महत्व पर प्रकाश डाला।

डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
4
लखनऊ, सोमवार, 14 दिसंबर 2015

खस्ताहाल खेती की बड़ी वजह प्राचीन कृषि व गौ वंश परंपरा से दूरी

डेली न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौजूदा समय में खेती की खस्ताहाल स्थिति की अहम वजह प्राचीन कृषि और गौ वंश की परंपरा को नजरअंदाज करना है। आज देश के सामने बड़ी चिंता है कि लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं और चिकित्सालयों की भारी कमी है। कृषि में रसायनिकों के अधिक इस्तेमाल से

- प्राकृतिक खेती एवं गौशाला पर आयोजित कार्यशाला का समापन

प्रदूषित अनाज और खराब वातावरण भी बढ़ती बीमारियों का कारण है। यह बात सांसद सदस्य योगी आदित्यनाथ ने कही। वह रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) में आयोजित 'प्राकृतिक खेती एवं गौशाला' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि लोगों में यह भ्रम है कि जैविक खेती से कम उत्पादन होता है, जबकि सच्चाई इसके उलट है। बलरामपुर के गांव में एक युवा किसान ने एक एकड़ खेत में गन्ने की जैविक खेती कर एक हजार क्विंटल गन्ना और 25 कुंतल गेहूं पैदा कर साबित कर दिया कि जैविक से भी भरपूर उपज की जा सकता है। आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम से ग्रसित है। इस दिशा में प्राकृतिक विधि से खेती कर खराब नतीजों से बचा जा सकता है। उन्होंने आईआईटी और आईसीएआर संस्थानों से अपील की है कि वे मिलकर इस दिशा में काम करें, जिससे प्राचीन पद्धति वाली खेती और गौ वंश का विकास देश में तेजी से हो सके। शाहजहांपुर की सांसद कृष्णा राज ने कहा कि खेती के विकास के लए कई गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। इससे पहले सुबह गौ संवर्धन, दूध विकास, पंचगव्य उत्पाद, बायोगैस ऊर्जा और स्वरोजगार जैसे अहम मुद्दों पर देश के विभिन्न प्रांतों से आए विद्वानों ने अपने विचार रखे।

जैविक खेती को बढ़ाने की होगी कोशिश: आईआईएसआर के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने कहा कि संस्थान अपने स्तर पर हर-संभव कोशिश कर गन्ना में जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास करेगा। इस दिशा में शोध काम किए गए हैं और बेहतर नतीजे भी आए हैं, जिसका प्रचार-प्रसार किसानों के बीच किया जा रहा है। परिषद के उपमहानिदेशक डॉ. नरेंद्र सिंह राठौड़ ने आने वाले समय में क्षेत्रीय स्तर पर इस तरह के कार्यशाला करने की योजना को जरूरी बताया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक और मीडिया प्रभारी डॉ. एके साह ने बताया कि कार्यशाला के दौरान कई सत्रों में विचार विमर्श के बाद उभर कर आए नतीजों पर योजना बनाकर कार्यक्रम संचालित करने की योजना परिषद और संस्थान बनाएगा।

गौवंश परंपरा की अनदेखी से हुई खेती की दुर्दशा : योगी

प्राकृतिक खेती एवं गौशाला पर कार्यशाला संपन्न, बीमारियों की समाप्ति के लिए प्राकृतिक खेती एवं गौवंश जरूरी

विचार

- राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वावलंबन और स्वावलंबन के लिए स्वदेशी होना आवश्यक

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वावलंबन और स्वावलंबन के लिए स्वदेशी होना आवश्यक है। वर्तमान में खेती की दुर्दशा के लिए प्राचीन कृषि एवं गौवंश की परंपरा को नजरअंदाज करना और इन्हें न समझने की प्रक्रिया जिम्मेदार है। यह कहना है गोरखपुर के भाजपा सांसद योगी आदित्य नाथ का।

योगी रविवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित प्राकृतिक खेती एवं गौशाला पर दो दिवसीय कार्यशाला के समापन के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समय पर लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं, चिकित्सालय कम पड़ रहा है। यह सब प्रदूषित अनाज तथा वातावरण के कारण है, जो कि हमें अत्यधिक रसायनिकों के प्रयोग से मिला है। सभी बीमारियों का उन्मूलन प्राकृतिक खेती एवं गौवंश को बढ़ाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भ्रम है कि जैविक खेती से कम उत्पादन होता है। बलरामपुर के गांव में एक युवा किसान ने एक एकड़ खेत में गन्ने की जैविक खेती करके 1000 कुंतल गन्ना तथा 25 कुंतल गेहूं पैदा करके साबित कर दिया है कि जैविक खेती से भी भरपूर उपज प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम से ग्रसित है, इस दिशा में प्राकृतिक विधि से खेती कर दुष्परिणाम से बचा जा सकता है।

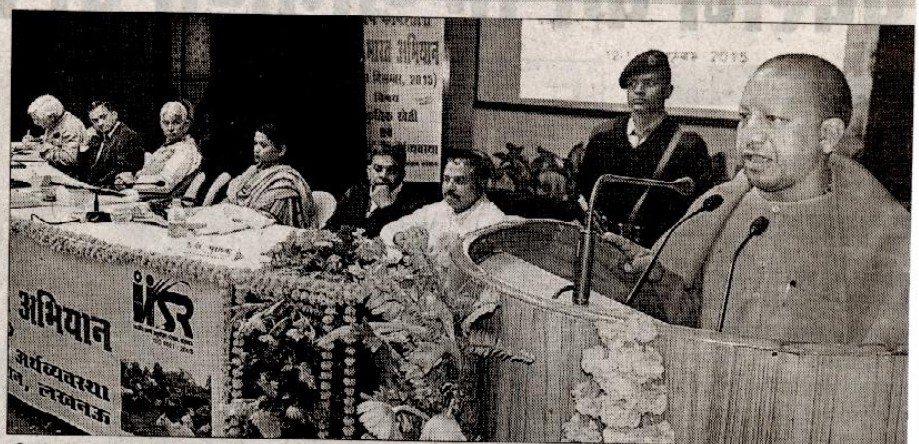

रविवार को गन्ना अनुसंधान संस्थान में उन्नत भारत अभियान के तहत प्राकृतिक कृषि एवं गौ आधारित अर्थव्यवस्था पर कार्यशाला में बोलते भाजपा सांसद योगी आदित्य नाथ। कैनविज टाइम्स

उन्नत भारत अभियान के समापन दिवस पर बोले योगी आदित्य नाथ

हरित क्रांति में किसानों से धोखा

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

हरितक्रांति के नाम पर किसानों से धोखा किया गया। विदेशियों ने बीज और खाद के लिए दूसरों पर निर्भर करा दिया। यह बात गोरक्षा पीठ के महंत योगी आदित्यनाथ ने उन्नत भारत अभियान के समापन दिवस पर कही।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित प्राकृतिक खेती एवं गो आधारित अर्थव्यवस्था विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

रविवार को उन्नत भारत अभियान के तहत आयोजित सेमिनार के समापन पर मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केमिकल फर्टीलाइजर्स के प्रभाव से किसानों की जमीने बंजर हो गई हैं। किसानों को खराब बीज बेचकर उनकी फसलें चौपट कराने का षड्यंत्र किया जा रहा है। इसी वजह से पूरे देश में किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खेती की दुर्दशा के लिए प्राचीन कृषि एवं गो वंश की परंपरा को नजरअंदाज करना बताया। रासायनिक खेती से लोग कई बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं चिकित्सालय कम पड़ रहे हैं। आज यह भ्रम है कि जैविक खेती से कम उत्पादन होता है, वास्तव में ऐसा नहीं हैं।

बलरामपुर के पचपेड़वा गांव में एक युवा किसान ने एक एकड़ खेत में गन्ने की जैविक खेती कर 1000 कुंतल गन्ना तथा 25 कुन्तल गेहूं पैदा करके यह साबित कर दिया कि जैविक से भी भरपूर उपज प्राप्त की जा सकती है। गो संवर्धन, दुग्ध विकास, पंचगव्य उत्पाद, बायोगैस उर्जा, स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश के विभिन्न प्रांतों से आए विद्वानों ने अपने विचार रखे तथा गहन चर्चा की गई।

तेलीबाग स्थित गन्ना अनुसंधान संस्थान में रविवार को उन्नत भारत अभियान के तहत प्राकृतिक खेती और गो आधारित अर्थव्यवस्था विषय पर सेमिनार में गोरक्षा पीठ के महंत योगी अदित्यनाथ ने रखी बात • हिन्दुस्तान

नंदी नस्ल की गाय के विकास पर काम करने की जरूरत : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ.एनएस राठौड़ ने देसी बीज बैंक बनाने की जरूरत है।

नंदी नस्ल की गाय के विकास पर काम करने भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि पांच एकड़ जमीन और पांच किसानों की जोड़कर खेती करने की परिकल्पना पर काम किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि देश में 10टन बायोगैस बनाई जा सकती है। इन सभी विषयों पर काम करके देश को समृद्धशाली और जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है।

इस अवसर पर शाहजहांपुर की सांसद कृष्णा राज, उन्नत भारत अभियान के फील्ड समन्वयक श्याम बिहारी, प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, प्रो. वीके विजय, गोपाल उपाध्याय व अन्य लोग उपस्थित रहे।

www.samaylive.com

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

दून • वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ | सोमवार • 14 दिसम्बर • 2015

हरित क्रान्ति के नाम पर किसानों से धोखा : योगी

लखनऊ (एसएनबी)। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के सभागार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में चल रही उन्नत भारत अभियान के तहत दो दिवसीय कार्यशाला के आयोजन में प्राकृतिक कृषि एवं गौ आधारित अर्थव्यवस्था पर बल दिया गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन सांसद योगी आदित्यनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। शाहजहांपुर की सांसद श्रीमती कृष्णा राज बतौर विशिष्ठ अतिथि मौजूद रही।

■ उन्नत भारत अभियान का समापन

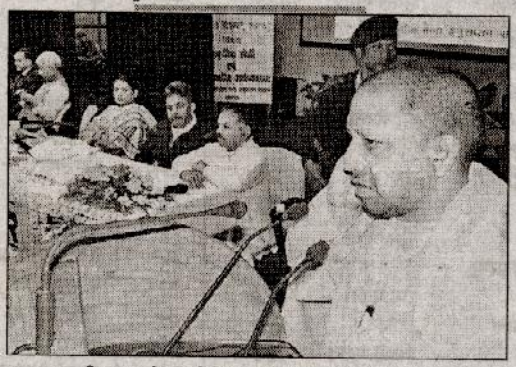

कार्यशाला को सम्बोधित करते सांसद योगी आदित्य नाथ।

योगी आदित्य नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उन्नत भारत अभियान की शुरुआत आईएसआर व आईआईटी दिल्ली के प्रयास से राष्ट्र को एक नए आयाम तक ले जाएगी। दुनियां में सबसे उर्वरक मिट्टी अगर कही है तो वह भारत में है यहां कम लागत में ज्यादा पैदावार होती है फिर भी हमारी पूर्व की सरकारों ने खेती व किसानों पर ध्यान नही दिया। हरित क्रांति के नाम पर देश के किसानो के साथ धोखा हुआ है। योगी का कहना था की भारतीय गऊ वंश भारत की कृषि व अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने कहा की इस अभियान को सफल बनाने के लिए देश के 18 राज्यों के एक हजार किसानों ने बीड़ा उठाया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने देश भर से आए हुए कृषकों व वैज्ञानिकों को प्रतीक चिह्न भेंट किये।

स्वतंत्र भारत लेखनऊ, सोमवार, 14 दिसम्बर 2015 (7)

आज लोग प्रदूषित वातावरण के कारण बीमार हैं : योगी अदित्यनाथ

लखनऊ (सं.)। प्राकृतिक खेती एवं गौशाला पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह में सांसद योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि थे तथा शाहजहाँपुर की सांसद कृष्णा राज विशिष्ट अतिथि थीं। योगी आदित्यनाथ ने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वावलंबन होना आवश्यक है तथा स्वालंबन के लिए स्वदेशी होना आवश्यक है। उन्होंने वर्तमान में खेती की दुर्दशा के लिए प्राचीन कृषि एवं गौ वंश की परंपरा को नजरअंदाज या नहीं समझने की प्रक्रिया को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि आज लोग जो बीमार हो रहे हैं, यह सब प्रदूषित अनाज तथा वातावरण के कारण है जो कि हमें अल्पाधिक रसायनिकों के प्रयोग से मिला है। सभी बीमारियों का उन्मूलन प्राकृतिक खेती एवं गौ वंश को बढ़ाने की दिशा में सच्चा प्रयास करके किया जा सकता है। आज यह भ्रम है कि जैविक खेती से कम उत्पादन होता है, वास्तव में ऐसा नहीं हैं। योगी ने कहा कि बलरामपुर के गाँव में एक युवा किसान एक एकड़ खेत में गन्ने की जैविक खेती कर 1000 कुंटल गन्ना तथा 25 कुंटल गेहूँ पैदा कर साबित कर दिया कि जैविक से भी भरपूर उपज प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम से ग्रसित है, इस दिशा में प्राकृतिक विधि से खेती कर दुष्परिणाम से बचा जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर आईआईटी तथा आईसीएआर संस्थानों से अपील की कि मिलकर इस दिशा में काम करें जिससे हमारी प्राचीन पद्धति वाली खेती तथा गौ वंश का विकास देश में तेजी से हो। कृष्णा राज ने कृषि पर प्रकाश डालते हुए आगे गंभीर प्रयास करने का आह्वान किया। समापन से पूर्व कल सुबह गौ संवर्धन, दुग्ध विकास, पंचगव्य उत्पाद, बायोगैस उर्जा, स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश के विभिन्न प्रांतों से आए विद्वानों ने अपने विचार रखे तथा गहन चर्चा की गई। देश के कई क्षेत्रों में व्यक्तिगत या छोटे समूह द्वारा छिटपुट प्रयास इस दिशा में हो रहे हैं, वास्तव में इन प्रयासों को ज्यादा से ज्यादा गाँवों तथा क्षेत्रफल में विस्तार करने की जरूरत है, जिससे प्राकृतिक खेती एवं गौ वंश की परंपरा फिर से भारत में फले-फूले। संस्थान के निदेशक डाक्टर एडी पाठक ने समापन समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि संस्थान अपने स्तर पर हर संभव प्रयास कर गन्ने में जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास करेगा। वास्तव में इस दिशा में शोध कार्य किए गए हैं तथा साकारात्मक परिणाम भी आए हैं जिसका प्रचार-प्रसार किसानों के बीच किया जा रहा है।

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। सोमवार, 14 दिसंबर 2015

'गोशाला में सेवा कर ठीक हो गए पागल'

■ **वसं, लखनऊः** गोरखपुर से बीजेपी सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान में खेती की दुर्दशा प्राचीन कृषि और गोवंश परंपरा को नजरंदाज करने के चलते हैं। भारतीय गन्ना अनुसंधान में रविवार को प्राकृतिक खेती और गोशाला विषय पर च ल रही दो दिवसीय कार्यशाला के समापन में योगी ने नजीर दी कि कैसे गायों की सेवा कर पागल ठीक हो गए।

गोरक्षनाथ मंदिर के महंत योगी ने कहा कि मंदिर परिसर में कई पागल घूमते थे। इससे श्रद्धालुओं को परेशानी होती थी। मैंने उन्हें पकड़वाकर गौशाला में गौसेवा में लगा दिया। शाहजहांपुर की सांसद कृष्णा राज ने भी अपने विचार रखे। सुबह के सत्र में विशेषज्ञों ने गौ संवर्धन, दुग्ध विकास, पंचगव्य उत्पाद, बायोगैस उर्जा, स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे।

संस्थान के निदेशक डा. ए.डी. पाठक ने कहा कि संस्थान हर स्तर पर गन्ना में जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास करेगा। प्रधान वैज्ञानिक एके शाह ने बताया कि कार्यशाला के निष्कर्षों को कार्ययोजना में बदला जाएगा।